जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

1 फ़रवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया ने किया नीतिगत सुधारों और उच्च शिक्षा के प्रशासन पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन**

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग (डीईएस) ने 30 जनवरी, 2024 को 'नीति सुधार और उच्च शिक्षा के प्रशासन' पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। प्रख्यात वक्ता योजना और विकास के निदेशक तथा शैक्षिक प्रशासन विभाग, एनआईईपीए के प्रमुख प्रोफेसर कुमार सुरेश थे। विस्तार व्याख्यान का आयोजन प्रोफेसर अरशद इकराम अहमद, अध्यक्ष, डीईएस के मार्गदर्शन में किया गया था और प्रोफेसर हरजीत कौर भाटिया संयोजक थीं।

इस कार्यक्रम में एम.एड, एमएईपीए, एमए-ईसीडी, पीएचडी शोधार्थियों, संकाय सदस्यों और छात्रों सहित कई उपस्थित लोगों ने शासन, विश्वविद्यालय प्रशासन की विभिन्न गतिशीलता और नीति सुधारों के उभरने के बारे में एक गम्भीर चर्चा की।

प्रो. सुरेश ने उच्च शिक्षा नीति के वर्तमान परिदृश्य और शिक्षा की पहुंच, सामर्थ्य और समग्र गुणवत्ता पर उनके प्रभाव की जांच की। उन्होंने पूछताछ और जांच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संवाद और संवाद शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नौकरशाही, कॉलेजियम और उद्यमिता नामक विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न मॉडलों को दोहराया और इसे भारतीय विश्वविद्यालयों से जोड़ा। उन्होंने राज्य, बाज़ार और नागरिक समाज के बीच परस्पर क्रिया की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने 1990 के दशक से एनईपी 2020 तक विश्वविद्यालय प्रशासन ट्रेजेक्टरी पर भी प्रकाश डाला।

आकर्षक व्याख्यान के बाद एक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जहां दर्शकों ने विशिष्ट नीति चुनौतियों और संभावित समाधानों के बारे में डॉ. सुरेश से पूछताछ करने में सक्रिय रूप से भाग लिया। चर्चा में परीक्षा प्रणाली, निजी-सार्वजनिक भागीदारी, परोपकारी दृष्टिकोण, विश्वविद्यालय प्रशासन का जर्मन मॉडल, एनईपी 2020 आदि सहित कई विषयों पर चर्चा हुई।

“शैक्षिक अध्ययन विभाग शिक्षा में महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुली बातचीत को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है”, डीईएस, जेएमआई की प्रोफेसर हरजीत कौर भाटिया, ने कहा।

डीईएस, जेएमआई के अध्यक्ष प्रोफेसर अरशद इकराम अहमद ने कहा "हमारा मानना है कि इस तरह के सत्र उच्च शिक्षा के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि यह तेजी से बदलती दुनिया में छात्रों को सफलता के लिए तैयार करता रहे"।

व्याख्यान की पूरी रिकॉर्डिंग अब यूट्यूब चैनल 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' पर उपलब्ध है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया